

विश्वहेतु पुं. (तत्.) जो विश्व का हेतु अर्थात् कारण है, विश्व की रचना करने वाला, परमात्मा, ब्रह्मा।

विश्वातीत वि. (तत्.) जो विश्व से परे हो, सर्वातीत, परमात्मा, ईश्वर।

विश्वात्मवाद पुं. (तत्.) यह सिद्धांत कि संपूर्ण विश्व में एक ही परमात्मा व्याप्त है।

विश्वात्मा पुं. (तत्.) 1. परमात्मा, विश्व की आत्मा 2. ब्रह्मा 3. शिव 4. विष्णु।

विश्वाधार पुं. (तत्.) जो विश्व का आधार है, ईश्वर, भगवान विष्णु, विश्वास।

विश्वानुरक्त वि. (तत्.) जो विश्व की माया में अनुरक्त हो, भोगवादी, सांसारिक वस्तुओं में लिप्त।

विश्वामित्र पुं. (तत्.) एक क्षत्रिय राजा जो अपने तप-बल से बाद में ब्रह्मर्षि बने, इनके पिता का नाम गाधि था अतः इन्हें गाधिसुवन भी कहा जाता है, यह अयोध्या के राजा त्रिशंकु के राजपुरोहित भी रहे, यह राक्षसों से आश्रमों की रक्षा के लिए राम और लक्ष्मण को अयोध्या से अपने आश्रम में ले आए थे जिन्होंने खर-दूषण का वध किया और ताड़का राक्षसी से भी भय-मुक्त किया, ब्रह्मर्षि वशिष्ठ से भी इनकी काफी प्रतिद्वंद्विता रही थी।

विश्वायतन पुं. (तत्.) विश्वरूप परमेश्वर, विष्णु।

विश्वावास पुं. (तत्.) 1. विश्व का आधार, सबका आश्रय 2. परमात्मा, ईश्वर।

विश्वासघात पुं. (तत्.) 1. किसी का विश्वास तोड़ना, किसी के विश्वास के विरुद्ध किया गया कार्य, धोखा देना। विश्वासभंग 2. किसी को विश्वास दिलाकर किया गया धोखा, दगाबाजी 3. किसी हितैषी/मित्र/स्वामी के विरुद्ध किया गया कोई बुरा काम।

विश्वासघातक/विश्वासघाती वि. (तत्.) विश्वासघात करने वाला, धोखा देने वाला, दगाबाज।

विश्वासपात्र वि. (तत्.) विश्वास करने योग्य, विश्वसनीय, विश्वस्त, भरोसेमंद।

विश्वास-प्रस्ताव वि. (तत्.) राज. संसद के निचले सदन में या किसी राज्य की विधान सभा में प्रयुक्त किया जाने वाला ऐसा प्रस्ताव कि सदन मंत्रिमंडल के प्रति अपना विश्वास व्यक्त करता है।

विश्वासभंग पुं. (तत्.) विश्वास तोड़ना, धोखा देना, विश्वासघात, दगाबाजी।

विश्वासी वि. (तत्.) 1. जिस पर विश्वास किया जा सके, विश्वसनीय, विश्वस्त, भरोसेमंद 2. विश्वास करने वाला।

विश्वासोत्पादक वि. (तत्.) विश्वास/भरोसा उत्पन्न करने वाला।

विश्वासोत्पादन वि. (तत्.) विश्वास पैदा होना, भरोसा पैदा करने का कार्य।

विश्वेदेव पुं. (तत्.) वैदिक देवताओं का समूह जिसमें इंद्र आदि नौ देवता शामिल हैं।

विश्वेश्वर/विश्वेश पुं. (तत्.) 1. संसार का स्वामी, भगवान विष्णु, परमात्मा 2. शिव।

विष पुं. (तत्.) 1. ऐसा कोई घातक पदार्थ जिसके खाने या शरीर में जाने से भीषण रोग, दोष उत्पन्न होता है या मृत्यु हो जाती है, गरल, जहर, हलाहल, प्राणनाशक पदार्थ 2. लाक्ष. किसी कार्य या बात के लिए नाशक या बहुत हानिकारक व्यक्ति/वस्तु, प्रथा आदि 3. जल 4. कमल-नाल 5. लोबान।

विषकंठ वि. (तत्.) जिसके कंठ या गले में विष हो, शिव, महादेव।

विषकन्या स्त्री. (तत्.) विषमयी कन्या या स्त्री जिसके शरीर में बचपन से ही थोड़ा-थोड़ा विष देकर इतना अधिक विषमय बना दिया जाता है कि वह जिसके साथ संभोग करे या उसे दांत से काट ले तो उसकी मृत्यु हो जाती है, प्राचीन समय में ऐसी स्त्रियों का उपयोग शत्रुओं के लिए किया जाता था।

विषकुंभ पुं. (तत्.) जहर, विष से भरा घड़ा।